www.railsamacharbureauald.com

सम्पूर्ण भारतीय रेल जगत का प्रथम पाक्षिक, प्रयागराज से प्रकाशित

रेल समाचार ब्यूरो

सन् 1990 से रेल सेवा में समर्पित

''भारतीय रेल हर यात्री को सफर की नई उम्मीद और मंजिल तक पहुँचने का सपना देती है।''

''रेल का सफर, भारत की धड़कन को महसूस करने का सबसे सुंदर तरीका है।''

वर्ष–34 अंक–21 रेल समाचार ब्यूरो, प्रयागराज 01–15 नवम्बर 2024 पृष्ठ 08 मूल्यः20 रु. मात्र + डाक खर्च (रंगीन सहित)

रेल मंत्री ने नई रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं का किया ऐलान, बिहार और आंध्र प्रदेश की कनेक्टिविटी होगी सशक्त

आसान होगी अयोध्या से जनकपुर की राह – श्री अश्विनी वैष्णव

सूत्र/रे.स.ब्यू- केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने दिनांक 24 अक्टूबर को नई दिल्ली के रेल भवन में मीडिया को संबोधित करते हुए आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) द्वारा अनुमोदित बिहार और आंध्र प्रदेश में रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर की दो महत्वपूर्ण परियोजनाओं की घोषणा की। ये परियोजनाएं इन राज्यों में कनेक्टिविटी को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगी, जिससे आर्थिक विकास और क्षेत्रीय समृद्धि को प्रोत्साहन मिलेगा। नरकटियागंज- रक्सौल-सीतामढ़ी-दरभंगा और सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर खंडों में कुल 256 किलोमीटर का दोहरीकरण किया जाएगा। इस परियोजना का उद्देश्य नेपाल, पूर्वोत्तर भारत, और सीमावर्ती क्षेत्रों से मजबूत कनेक्टिविटी स्थापित करना है, जिससे यात्री और मालगाड़ियों के आवागमन में सुविधा होगी। यह परियोजना 46 स्टेशनों और 310 पुलों के निर्माण के साथ उत्तर बिहार और मिथिलांचल के रेल नेटवर्क को और अधिक सशक्त बनाएगी। बागमती नदी पर नए पुल के निर्माण के साथ धार्मिक गलियारे के विकास को भी बल मिलेगा, जिससे कनेक्टिविटी और सुरक्षा में 52.2 गुना वृद्धि होगी। इस परियोजना के पांच साल के भीतर पूरा होने का लक्ष्य है, जिसमें अत्याधुनिक 'कवच' तकनीक की स्थापना होगी।

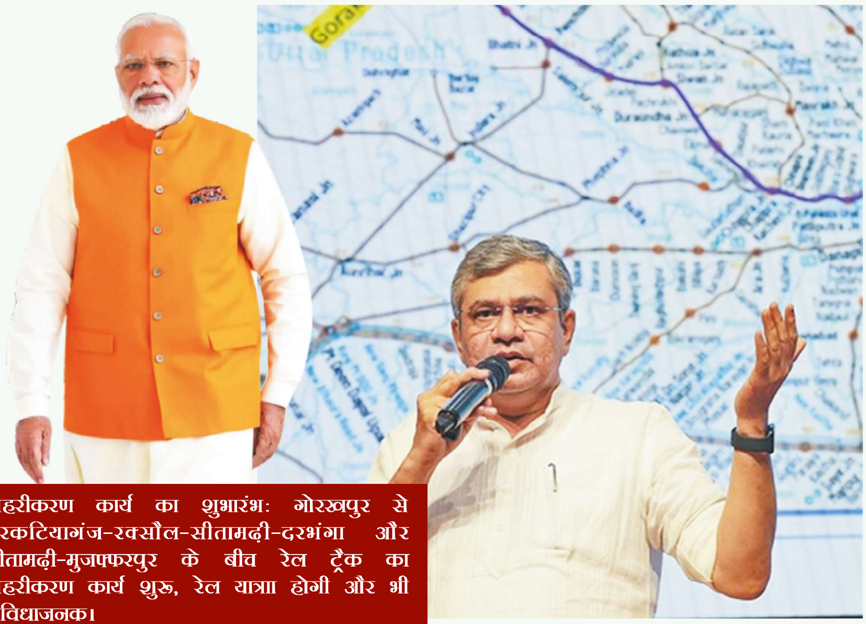

श्री वैष्णव ने अमरावती होते हुए एर्रुपलेम-नंबुरु के बीच 57 किलोमीटर लंबी नई रेल लाइन परियोजना की भी घोषणा की। 2245 करोड़ रुपये के निवेश से बनने वाली इस लाइन से हैदराबाद, चेन्नई और कोलकाता जैसे प्रमुख शहरों के बीच संपर्क सुदृढ़ होगा। परियोजना में कृष्णा नदी पर 3.2 किलोमीटर लंबे पुल का निर्माण शामिल है, जो आंध्र प्रदेश के एनटीआर विजयवाड़ा और गुंटूर जिलों तथा तेलंगाना के खम्मम जिले को फायदा पहुंचाएगा।

- दोहरीकरण कार्य का शुभारंभः गोरखपुर से नरकटियागंज–रक्सौल–सीतामढ़ी–दरभंगा और सीतामढ़ी–मुजफ्फरपुर के बीच रेल ट्रैक का दोहरीकरण कार्य शुरू, रेल यात्रा होगी और भी सुविधाजनक।
- उत्तर-पूर्वी राज्यों से बढ़ेगा कनेक्शनः उत्तर प्रदेश और बिहार का रेल नेटवर्क पूर्वोत्तर के राज्यों से होगा और मजबूत, अब यात्री उठा सकेंगे बेहतर सेवाओं का लाभ।
- भारत-नेपाल नई ट्रेन सेवाः गोरखपुर होते हुए अयोध्या से जनकपुर के लिए नई ट्रेन का प्रस्ताव तैयार, अब दोनों देशों की सहमति का इंतजार।
- मांग के अनुसार ट्रेन संचालनः ट्रैक विस्तार से चल सकेंगी मांग के अनुसार अधिक ट्रेनें, यात्री सुविधाओं में होगा सुधार।

अमरावती के लिए प्रस्तावित सीधी कनेक्टिविटी से उद्योग और स्थानीय आबादी के आवागमन में सुधार होगा। श्री वैष्णव ने रेलवे के आधुनिकीकरण और सटीक डिजाइन में तकनीकी सुधारों पर भी जोर दिया। उन्होंने बताया कि रेलवे पारंपरिक टोपोशीट विधियों से आगे बढ़कर उपग्रह डेटा का उपयोग कर रहा है, जो बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में इंफ्रास्ट्रक्चर को और अधिक सुदृढ़ बनाने में सहायक होगा। नए ट्रैक को अनावश्यक वक्रता हटाकर सेमी-हाई-स्पीड (160 किमी/घंटा) के लिए तैयार किया जाएगा, जिससे परिचालन में कुशलता और सुरक्षा दोनों बढ़ेंगी। इस नए कदम के साथ भारतीय रेलवे ने कनेक्टिविटी और क्षेत्रीय विकास को नई दिशा देने का मजबूत संकल्प लिया है, जो देश के परिवहन ढांचे को आधुनिकता और प्रगति की ओर ले जाएगा।

Sh. Ravneet Bittu Honors RPF Martyrs at National Police Memorial

Source/RSB- On 30th October, Sh. Ravneet Bittu, the Minister of State for Railways (MOSR), honored the bravery and sacrifices of the Railway Protection Force (RPF) martyrs at the National Police Memorial. A solemn wreath-laying ceremony was held to pay tribute to the fallen heroes, followed by a moving band display that underscored the respect and reverence for their courage. Sh. Bittu also unveiled the "Compendium of Martyrs in RPF," a powerful collection of stories celebrating the dedication and heroism of the RPF personnel who sacrificed their lives in service. The compilation serves as a tribute to their unwavering commitment to protecting the nation's railway system. In addition, the families of the martyrs were recognized and honored for their sacrifices. Through this ceremony, Sh. Ravneet Bittu reaffirmed the nation's dedication to preserving the legacy of these brave individuals and their remarkable service.

”अमृत भारत स्टेशन“ योजना के तहत झांसी मंडल के 16 स्टेशनों का हो रहा विकास।

झांसी मंडल से ”अमृत भारत स्टेशन“ योजना के पहले चरण में उच्चीकरण हेतु चयनित 16 स्टेशन हैं: बाँदा, मुरैना, चित्रकूटधाम कर्वी, महोबा, डबरा, दतिया, ललितपुर, उरई, पुखरायां, घाटमपुर, भिंड, हरपालपुर, टीकमगढ़, छतरपुर, ओरछा और शेयोपुरकलां।

सूत्र/रे.स.ब्यू- माननीय प्रधानमंत्री द्वारा अगस्त 2023 में शुरू की गई 'अमृत भारत स्टेशन' योजना' के अंतर्गत उत्तर मध्य रेलवे के झांसी मंडल के 16 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है। यह योजना यात्रियों के लिए आधुनिक सुविधाएं, निर्बाध यात्रा के लिए मल्टीमॉडल एकीकरण और आर्थिक गतिविधियों के अवसर प्रदान करेगी। इन स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए कार्य प्रगति पर है, जिसमें फसाड में सुधार, प्रवेश द्वार का चौड़ीकरण, उच्च स्तरीय प्रकाश व्यवस्था, और वेटिंग हॉल का विस्तार शामिल हैं। योजना के तहत, स्टेशन पर उपलब्ध अनुपयोगी स्थान को जोड़ते हुए एग्जीक्यूटिव लाउंज का भी विकास किया जा रहा है। इसके अलावा, अप्रोच सड़क का चौड़ीकरण, पार्किंग क्षेत्र का विस्तार, और दिव्यांगजन सुविधाएं भी सुनिश्चित की जा रही हैं। झांसी मंडल का यह विकास यात्रियों की सुविधाओं को बढ़ाने के साथ-साथ व्यापार को भी प्रोत्साहित करेगा। मंडल रेल प्रबंधक श्री दीपक कुमार सिन्हा ने कहा कि इस पुनर्विकास से यात्री सुविधाओं में वृद्धि हो रही है, जो कि रेल प्रशासन की प्राथमिकता है। झांसी मंडल, भारतीय रेल का एक महत्वपूर्ण अंग है और देश के उत्तरी और दक्षिणी भागों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस योजना के माध्यम से, यात्रियों को बेहतर सेवाएं और सुविधाएं प्रदान की जाएंगी, जिससे उनकी यात्रा अनुभव को और भी बेहतर बनाया जा सके।

आगरा मंडल के 15 स्टेशनों को नया रूप देने के लिए किया जा रहा नवीनीकरण

उत्तर मध्य रेलवे के 53 स्टेशनों को नया रूप देने के लिए किया जा रहा उनका नवीनीकरण

सूत्र/रे.स.ब्यू- माननीय प्रधानमंत्री द्वारा अगस्त 2023 में शुरू की गई और फरवरी 2024 में आगे बढ़ाई गई 'अमृत भारत स्टेशन' योजना के तहत उत्तर मध्य रेलवे के 53 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है। जिसमें आगरा मंडल के 15 स्टेशन जिसमें होडल, राजा की मंडी, कोसीकलां, ईदगाह, अछनेरा, भूतेश्वर, गोवर्धन, फतेहपुर सीकरी, फतेहाबाद, धोलपुर, खेडली, महवा मंडावर, डीग, गोविन्द गढ़ व आगरा किला को नया रूप देने के लिए नवीनीकरण किया जा रहा है मंडल रेल प्रबंधक आगरा श्री तेज प्रकाश अग्रवाल ने बताया कि पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनो पर नई अत्याधुनिक यात्री सुविधाओं तथा मौजूदा सुविधाओं के अपग्रेडेशन से यात्रियों को बेहतर और उत्कृष्ट सुविधाएं प्रदान की जाएगी। पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों में यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए आधुनिक सुविधाएं बनाने, निर्बाध यात्रा के लिए अन्य परिवहन प्रणालियों के साथ मल्टीमॉडल एकीकरण और दुकानों, मॉल, कार्यालय स्थानों और फूड कोर्ट आदि जैसी आर्थिक गतिविधियों के अवसरों के लिए प्रमुख स्थान का इष्टतम उपयोग होगा। विकास के बाद स्टेशन न केवल परिवहन के बिंदु के रूप में बल्कि शहर के केंद्र के रूप में भी काम करेंगे। पार्किंग की सुविधा भी बढ़ाई जाएगी। वर्तमान में कई स्टेशनों पर बाहरी विकास कार्य चल रहे हैं, जिसमें बाउंड्री वॉल, सर्विस रोड, पार्किंग और सर्कुलेशन एरिया का निर्माण शामिल है। ताकि स्टेशनों पर सुविधाओं में सुधार हो सके, जैसे स्टेशन एप्रोच में सुधार, सर्कुलेटिंग एरिया, वेटिंग हॉल, शौचालय, आवश्यकतानुसार लिफ्ट/एस्केलेटर, साफ-सफाई, मुफ्त वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एग्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए नामित स्थान, प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए भूनिर्माण आदि। इस योजना में भवन का सुधार, स्टेशन को शहर के दोनों ओर से जोड़ना, मल्टीम डल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, टिकाऊ और पर्यावरण अनुकूल समाधान आदि का प्रावधान शामिल है।

भारतीय रेलवे का स्विट्जरलैंड के साथ करारः तकनीकी सहयोग और इंफ्रास्ट्रक्चर आधुनिकता की नई दिशा

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारतीय रेलवे ने स्विट्जरलैंड के पर्यावरण, परिवहन और संचार विभाग के साथ दोनों देशों के बीच तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नवींत और औपचारिक रूप दिए गए इस एमओयू को रेल मंत्रालय और विदेश मंत्रालय से मंजूरी मिल गई है। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय रेलवे, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इससे भारतीय रेलवे को प्रौद्योगिकी साझाकरण, ट्रैक रख-रखाव, प्रबंधन और निर्माण सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के लिए व्यापक ढांचा प्रदान करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संघीय काउंसिलर तथा डीईटीईसी के प्रमुख श्री अल्बर्ट रोएस्टि ने कहा कि स्विट्जरलैंड की उन्नत रेलवे प्रौद्योगिकी परिचालन दक्षता, सुरक्षा मानकों, सेवा गुणवत्ता और रेलवे के बुनियादी ढांचे के विकास में सुधार करके भारतीय रेलवे को लाभान्वित करेगी।

अमृत स्टेशन योजना के तहत उत्तर पश्चिम रेलवे के 77 स्टेशनों का पुनर्विकास कार्य तेजी से प्रगति पर, 4800 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक सुविधाओं का समावेश।

इसमें 10 प्रमुख स्टेशन—जयपुर, गांधीनगर जयपुर, सांगानेर, उदयपुर सिटी, अजमेर, आबू रोड, जोधपुर, पाली मारवाड़, जैसलमेर और बीकानेर—पर व हद स्तर पर उन्नयन कार्य किया जा रहा है।

सूत्र/रे.स.ब्यू- अमृत स्टेशन योजना के अंतर्गत उत्तर पश्चिम रेलवे के 77 स्टेशनों के पुनर्विकास का कार्य तेजी से प्रगति पर है, जिसमें लगभग 4800 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक सुविधाओं का समावेश किया जा रहा है। रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधाओं को बढ़ाने और स्टेशनों की बिल्डिंग को नया रूप देने के लिए यह पुनर्विकास कार्य किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी के अनुसार, 77 स्टेशनों पर यह कार्य तेज गति से चल रहा है। इन स्टेशनों के पुनर्विकास में स्थानीय कला को ध्यान में रखते हुए आधुनिक सुविधाओं को जोड़ा जा रहा है। यात्रियों के आगमन और प्रस्थान के लिए अलग-अलग प्रावधान किए जा रहे हैं, साथ ही एयर कॉनकोर्स, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, कैफेटेरिया, गेम जोन, लिफ्ट, एस्केलेटर, और पर्याप्त पार्किंग जैसी सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। महाप्रबंधक श्री अमिताभ जी के दिशा-निर्देशन में इन कार्यों की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। जयपुर मंडल के 18 स्टेशनों पर 1410 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकास कार्य चल रहा है, जिसमें प्रमुख स्टेशन जयपुर, सांगानेर, फुलेरा, अलवर, और अन्य शामिल हैं। बीकानेर मंडल के 23 स्टेशनों पर 826 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकास कार्य प्रगति पर है, जिसमें श्रीगंगानगर, चूरू, हनुमानगढ़, और अन्य स्टेशन शामिल हैं। अजमेर मंडल के 18 स्टेशनों पर 1374 करोड़ रुपये और जोधपुर मंडल के 18 स्टेशनों पर 1195 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकास कार्य किया जा रहा है। इस योजना के तहत प्रत्येक स्टेशन पर औसतन 20 करोड़ रुपये की लागत से यात्री सुविधाओं में वृद्धि की जा रही है, जिससे पर्यटन को बढ़ावा, रोजगार सृजन, और क्षेत्र का आर्थिक विकास होगा।

महाकुंभ मेला-2025 के दृष्टिगत प्रयागराज जंक्शन पर आयोजित मॉक ड्रिल।

सूत्र/रे.स.ब्यू- महाकुंभ मेला-2025 को ध्यान में रखते हुए **17** अक्टूबर 2024 को प्रयागराज जंक्शन पर एक मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस मॉक ड्रिल का नेतृत्व वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/कोचिंग, श्री हिमांशु शुक्ला ने किया। आयोजन में वाणिज्य विभाग और रेलवे सुरक्षा बल ने मिलकर भाग लिया। मॉक ड्रिल का उद्देश्य महाकुंभ मेले में रेलवे की सेवाओं को सुचारू रूप से संचालित करने और यात्रियों को बेहतर अनुभव प्रदान करना था। यात्रियों और श्रद्धालुओं को सही जानकारी देने के लिए प्रयागराज जंक्शन, प्रयागराज छिवकी, सूबेदारगंज और नैनी स्टेशनों पर साइनेज और होर्डिंग्स लगाए जाएंगे। मॉक ड्रिल में यात्रियों को प्रवेश से लेकर सही ट्रेन तक पहुंचाने, भीड़ को नियंत्रित करने और प्लेटफार्म पर समय पर पहुंचाने का अभ्यास किया गया। यात्रियों को सही दिशा में भेजने के लिए कलर कोडिंग लागू की गई, जिसमें लखनऊ और वाराणसी के लिए लाल टिकट, पं. दीनदयाल उपाध्याय के लिए नीला टिकट, मानिकपुर, सतना और झांसी के लिए पीला टिकट, और कानपुर के लिए हरा टिकट निर्धारित किया गया। इससे यात्रियों को सही प्लेटफार्म और गाड़ी की पहचान में आसानी होगी। इसके बाद सभी कर्मचारियों को टावर कंट्रोल में समन्वय की जानकारी दी गई। वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी, श्री यू. सी. शुक्ला ने गार्ड लॉबी में आपदा प्रबंधन योजना के बारे में भी जानकारी दी। प्रयागराज जंक्शन, नैनी, प्रयागराज छिवकी और सूबेदारगंज स्टेशनों पर रैपिड एक्शन टीमों को किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैनात किया जाएगा। महाकुंभ मेला-2025 के मुख्य स्नान पर्वों जैसे पौष पूर्णिमा (13 जनवरी), मकर संक्रांति (14 जनवरी), मौनी अमावस्या (29 जनवरी), बसंत पंचमी (3 फरवरी), माघी पूर्णिमा (12 फरवरी), और महाशिवरात्रि (26 फरवरी) के लिए रेलवे ने विशेष योजना तैयार की है। इन दिनों पर विभिन्न स्टेशनों से विशेष गाड़ियां संचालित की जाएंगी, जैसे प्रयागराज जंक्शन से कानपुर, पं. दीनदयाल उपाध्याय, सतना, झांसीय और नैनी जंक्शन से पं. दीनदयाल उपाध्याय, सतना, झांसी की ओर। प्रयागराज संगम स्टेशन मुख्य स्नान पर्वों के एक दिन पहले और दो दिन बाद तक बंद रहेगा।

यात्रियों की सुरक्षा के लिए चलती ट्रेन में चढ़ने से बचें, सुरक्षित यात्रा के लिए दिशा-निर्देशों का पालन करें- पश्चिम रेलवे

सूत्र/रे.स.ब्यू- 27 अक्टूबर, 2024 की सुबह बांद्रा टर्मिनस पर एक घटना घटी, जिसमें कुछ यात्रियों ने चलती ट्रेन में चढ़ने की कोशिश की, जिसके परिणामस्वरूप दो यात्रियों को चोटें आई। यह घटना 22921 बांद्रा टर्मिनस-गोरखपुर अंत्योदय एक्सप्रेस से जुड़ी है, जिसका निर्धारित प्रस्थान समय सुबह 5:15 था। जब ट्रेन को 2:44 पर यार्ड से प्लेटफार्म की ओर लाया जा रहा था, तब कुछ यात्रियों ने ट्रेन के पूरी तरह रुकने से पहले ही उसे बोर्ड करने का प्रयास किया, जिससे दो यात्री घायल हो गए। उन्हें तुरंत भाभा अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। पश्चिम रेलवे ने यात्रियों से आग्रह किया है कि वे चलती हुई ट्रेन में चढ़ने से बचें और रेलवे के स्टाफ द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करें। रेलवे के आरपीएफ, जीआरपी और टिकट चेकिंग स्टाफ स्टेशन पर उपस्थित रहते हैं ताकि यात्रियों की सुरक्षित और सुविधाजनक बोर्डिंग सुनिश्चित की जा सके। जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक ने बताया कि पश्चिम रेलवे ने शेड्यूल्ड ट्रेनों के लिए यात्री सुविधाओं की पर्याप्त व्यवस्था की है। यात्रियों की सुविधाजनक यात्रा के लिए टिकट काउंटर्स बढ़ाए गए हैं और प्रमुख स्टेशनों पर होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं ताकि यात्रियों को आराम से बैठाया जा सके और एक सुव्यवस्थित कतार के माध्यम से ट्रेन में चढ़ने की प्रक्रिया को सुचारू बनाया जा सके। उन्होंने आगे बताया कि पश्चिम रेलवे नियमित रूप से हॉलीडे स्पेशल ट्रेनों के लिए अधिसूचनाएं जारी कर रहा है।

जीवनयात्रा

''जीवन एक यात्रा है, जहाँ हर चुनौती हमें एक नया पाठ सिखाती है। मुश्किलें अस्थायी होती हैं, लेकिन हमारी मेहनत और सकारात्मक दृष्टिकोण हमें सफलता की ओर ले जाते हैं। इसलिए हमेशा आशावान रहें, क्योंकि कठिनाई के बाद ही खुशियाँ और सफलता का स्वाद मिलता है।''

भारतीय रेल और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने कमजोर बच्चों की सुरक्षा के लिए संशोधित एसओपी लॉन्च की

महिला एवं बाल विकास (डब्ल्यूसीडी) मंत्रालय महिलाओं और बच्चों के लिए रेल यात्रा को सुरक्षित और तस्करी मुक्त बनाने के उद्येश्य से भारतीय रेल की सभी पहलों को वित्तपोषित करने के लिए तैयार

सूत्र/रे.स.ब्यू- महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सरकार के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है। महिलाओं और बच्चों के लिए रेल यात्रा को सुरक्षित बनाने में भारतीय रेल के महत्वपूर्ण योगदान की सराहना करते हुए, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने रेलवे को आश्वासन दिया है कि महिलाओं और बच्चों के लिए रेल यात्रा को सुरक्षित बनाने के उसके प्रयासों में फंडिंग बाधा नहीं बनेगी। देशभर में रेल परिसरों में पाए जाने वाले कमजोर बच्चों की सुरक्षा के लिए ऐतिहासिक पहल में, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के सहयोग से 25 अक्टूबर, 2024 को नई दिल्ली के रेल भवन में अद्यतन मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) शुरू की। यह व्यापक एसओपी भारतीय रेल के संपर्क में आने वाले बच्चों की सुरक्षा के लिए मजबूत ढांचे की रूपरेखा तैयार करती है। मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी करने के दौरान, एमओडब्ल्यूसीडी के सचिव श्री अनिल मलिक ने उन्नत रेल स्टेशनों पर सीसीटीवी और चेहरा पहचान तकनीक स्थापित करने जैसे उपायों के माध्यम से किशोरों की सुरक्षा बढ़ाने की पहल के लिए भारतीय रेल की सराहना की। प्रतिदिन 2.3 करोड़ से अधिक लोग रेल से यात्रा करते हैं, जिनमें 30 प्रतिशत महिलाएं भी शामिल हैं-जिनमें से कई अकेले यात्रा करती हैं - ऐसे में कमजोर समूहों, विशेष रूप से किशोरों की सुरक्षा की तत्काल आवश्यकता है, जो मानव तस्करों द्वारा शोषण का जोखिम उठाते हैं। कार्यक्रम में, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने मानव तस्करी विरोधी इकाइयों (एएचटीयू) को मजबूत करने के महत्व पर एमओडब्ल्यूसीडी अधिकारियों को जानकारी दी और असम, गुजरात, हरियाणा, पंजाब, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों से तस्करी को रोकने और यात्री सुरक्षा बढ़ाने के लिए रेलवे स्टेशनों पर इन इकाइयों को स्थापित करने का आग्रह किया। आरपीएफ यह सुनिश्चित करने के लिए बहुत सक्रिय भूमिका निभा रही है कि उसके परिसर का उपयोग मानव तस्करों द्वारा बच्चों को लाने- ले जाने को बढ़ावा देने के लिए नहीं किया जाए। आरपीएफ ने पिछले पांच वर्षों में 57,564 बच्चों को तस्करी से बचाया है। इनमें 18,172 लड़कियां थीं। इसके अलावा बल ने यह सुनिश्चित किया कि इनमें से 80 प्रतिशत बच्चे अपने परिवारों से मिल जाएं। 'ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते'के तहत, आरपीएफ ने पूरे रेल नेटवर्क में बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केंद्रित पहलों की श्रृंखला शुरू की है। बाल तस्करी की निरंतर चुनौती को पहचानते हुए, आरपीएफ के ''ऑपरेशन एएएचटी'' ने 2022 से 2,300 से अधिक बच्चों को बचाने और 674 तस्करों को पकड़ने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह उपलब्धि तस्करी और शोषण से निपटने के लिए आरपीएफ के अथक समर्पण को

रेखांकित करती है। देशभर में कमजोर बच्चों की सुरक्षा के लिए देशभर के लगभग 262 स्टेशनों पर मानव तस्करी विरोधी इकाई-एएचटीयू स्थापित की जानी थी। लेकिन कुछ भारतीय राज्यों के सहयोग के अभाव के कारण वहां एएचटीयू स्थापित नहीं की जा सकी। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय सचिव इस दिशा में त्वरित कदम के रूप में इन राज्यों को एक पत्र लिखने पर सहमत हुए। एमओडब्ल्यूसीडी संबंधित राज्यों के रेल स्टेशनों में इस इकाई को स्थापित करने के लिए इन राज्य सरकारों और जिला मजिस्ट्रेटों को पत्र लिखेगा ताकि रेलवे सुरक्षा बल के प्रयासों को और अधिक सफल बनाया जा सके। ट्रेनों में यात्रा करने वाली अकेली महिलाओं की सुरक्षा के लिए रेल मंत्रालय ''ऑपरेशन मेरी सहेली''चला रहा है। मानव तस्करी विरोधी गतिविधियों में आरपीएफ के योगदान की सराहना करते हुए, एमओडब्ल्यूसीडी सचिवने कहा कि हमारा मंत्रालय महिलाओं की सुरक्षा के उद्देश्य से परियोजनाओं के लिए भी धन खर्च करने के लिए तैयार है। भारत सरकार ने देश में महिलाओं की सुरक्षा बढ़ाने के उद्देश्य से पहल के कार्यान्वयन के लिए 'निर्भया फंड'नामक समर्पित कोष की स्थापना की थी। महिलाओं के साथ होने वाले अपराध रोकने के लिए देशभर के स्टेशनों पर सीसीटीवी कैमरे और फेस रिकग्निशन सिस्टम लगाने के लिए निर्भया फंड से पैसा दिया जा सकता है। आगे देखते हुए, भारतीय रेल और महिलाए एवं बाल विकास मंत्रलय ने प्रमुख रेल स्टेशनों पर बाल सहायता डेस्क (सीएचडी) के विस्तार की घोषणा की, जिससे जरूरतमंद बच्चों के लिए उपलब्ध सहायता नेटवर्क को मजबूत किया जा सके। रेल परिसर में बच्चों और महिलाओं दोनों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए नई पहल और सहयोगात्मक रणनीतियों पर भी चर्चा की गई।

आरपीएफ के लिए जारी किए गए नए नारे, ''हमारा मिशनः ट्रेनों में बाल तस्करी को रोकें''के साथ, भारतीय रेल ने सभी के लिए रेल को सुरक्षित यात्रा अनुभव बनाने की अपनी प्रतिज्ञा की पुष्टि की। मानव तस्करों से निपटने के दौरान पिछले एक दशक में मिली सीख से संशोधित एसओपी में योगदान मिला। अपने व्यापक रेल नेटवर्क में सुरक्षात्मक, दयालु वातावरण बनाने की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए, आरपीएफ डीजी ने कहा कि भारत के बच्चों के कल्याण को ध्यान में रखना नई एसओपी के मूल में है। यह एसओपी उन जोखिम वाले बच्चों के लिए सुरक्षा जाल प्रदान करके बाल शोषण और तस्करी को रोकने की भारतीय रेल की प्रतिबद्धता को मजबूत करती है, जो अपने परिवारों से अलग हो सकते हैं। मूल रूप से किशोर न्याय (जेजे) अधिनियम के तहत 2015 में शुरू की गई और 2021 में अद्यतन की गई इस एसओपी को अब महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के 2022 ''मिशन वात्सल्य''के बाद और परिकृत किया गया है। इसमें बच्चों की पहचान, सहायता और उचित दस्तावेजीकरण करने के लिए रेल कर्मियों की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों का विवरण दिया गया है जब तक कि वे बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) से जुड़े हैं। आरपीएफ महानिदेशक श्री मनोज यादव ने कहा कि हम रेल परिसर में बाल संरक्षण की तत्काल आवश्यकता पर बल देते हुए किशोर न्याय (जेजे) अधिनियम के साथ निकटता से जुड़ रहे हैं। एसओपी लॉन्च कार्यक्रम में रेल बोर्ड के अध्यक्ष और सीईओ श्री सतीश कुमार, एमओडब्ल्यूसीडी के सचिव श्री अनिल मलिक, रेलवेबोर्ड के सदस्य संचालन और व्यवसाय विकास, श्री रविंदर गोयल और दोनों मंत्रालयों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

'डिजिटल स्मारक' नागरिकों को हमारे शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए व्यापक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा

सूत्र/रे.स.ब्यू- यदि आपको लगता है कि देश की रक्षा करने वाले जवान हमारे असली नायक हैं और आप उन विस्मृत नायकों को भावभीनी श्रद्धांजलि देना चाहते हैं जिन्होंने हमें आराम देने के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया है तो आप ऐसा कर सकते हैं। भारतीय रेलवे के तहत रेलवे सुरक्षा बल, एक अर्धसैनिक बल ने एक 'डिजिटल मेमोरियल ऑफ वेलोर' शुरू किया है जहां आप किसी शहीद की तस्वीर को पुष्पांजलि और मोमबत्ती से डिजिटल रूप से सजा सकते हैं। 'डिजिटल मेमोरियल ऑफ वेलोर' अपने साहसी कर्मियों के बलिदान का सम्मान करने के लिए एक वेबसाइट है जिसे 25 अक्टूबर, 2024 को नई दिल्ली में शुरू किया गया है। यह एक अनूठा डिजिटल प्लेटफॉर्म है जहां नागरिक बल के शहीदों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित कर सकते हैं। यह अभिनव वेबसाइट (www-digitalmemorialofvalour-in) 21 अक्टूबर को पुलिस स्मरणोत्सव दिवस के पश्चात शहीद स्मृति सप्ताह का भाग है। यह वेबसाइट उन शहीदों को याद और स्मरण करने का एक औपचारिक स्थान प्रदान करती है क्योंकि इस पर उपयोगकर्ता शहीदों की तस्वीरों को पुष्पमाला और मोमबत्ती से डिजिटल रूप से सजाकर उन्हें श्रद्धांजलि दे सकते हैं। आगंतुक रेलवे सुरक्षा बल के वीर नायकों के सर्वोच्च बलिदान को याद कर सकते हैं और उनके लिए प्रार्थना कर सकते हैं। वेबसाइट पर पिछले वर्ष शहीद हुए बल के 14 शहीदों की तस्वीरें, नाम और रैंक हैं और इस वेबसाइट पर रेलवे सुरक्षा बल तथा रेलवे सुरक्षा विशेष बल (आरपीएसएफ) के 1,011 शहीदों की एक सूची है जिन्होंने राष्ट्र की सेवा में अपने प्राणों की आहुति दी है। यह सरकार की 'डिजिटल इंडिया' पहल के अनुरूप 'डिजिटल मेमोरियल ऑफ वेलोर' उन लोगों के लिए एक मंच है जो वास्तव में ऐसे कार्यक्रमों में भाग लेने में असमर्थ हैं। यह डिजिटल पोर्टल बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए

एक मंच प्रदान करेगा। श्रद्धांजलि अर्पित करने के अलावा, यह वेबसाइट उपयोगकर्ताओं को 'रेलवे सुरक्षा बल में शहीदों क सूची' की डिजिटल प्रति की सदस्यता लेने के लिए आमंत्रित करती है। यह डिजिटल प्रति 28 अक्टूबर, 2024 को जारी की जाएगी। इस सूची में रेलवे सुरक्षा बल के उन कर्मियों की कहानियां होंगी जिन्होंने पिछले वर्षों में राष्ट्र की सेवा में अपने प्राणों की आहुति दी है। वेबसाइट शुरू करने के अवसर पर बोलते हुए, श्री मनोज यादव, महानिदेशक, रेलवे सुरक्षा बल ने कहा, ''इनमें से प्रत्येक नायक ने अपने प्राणों की आहुति दी है ताकि दूसरे सुरक्षित रह सकें। यह स्मारक हमारी चिरस्थाय कृतज्ञता का एक प्रतीक है और यह हमें याद दिलाता है कि वीरता की उनकी विरासत कभी विस्मृत नहीं होगी। उनका साहस और बलिदान हमें हमेशा प्रेरणा देंगे। आज जब हम इन वीरों का सम्मान कर रहे हैं तो हम उसी समर्पण के साथ राष्ट्र की सुरक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं जिसका उन्होंने उदाहरण प्रस्तुत किया।'' श्री मनोज यादव, महानिदेशक, रेलवे सुरक्षा बल ने अपने शहीदों की विरासत को सम्मान देने के लिए रेलवे सुरक्षा बल के निरंतर प्रयासों के तहत इस साल सितंबर में पुलिस दल का नेतृत्व करते हुए लद्दाख में हॉट स्प्रिंग स्मारक का दौरा किया। यह एक ऐतिहासिक महत्व का स्थल है जहां वीर पुलिस अधिकारियों ने 1959 में चीनी सैनिकों के साथ संघर्ष के दौरान अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था। वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास 15,400 फीट की ऊंचाई पर सबसे दुर्गम इलाकों में से एक में हुआ यह दौरा भारत के वीरों की विरासत को सम्मान देने के लिए रेलवे सुरक्षा बल की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

उत्तर रेलवे में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ, केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त श्री पी. के श्रीवास्तव और रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सतीश कुमार की उपस्थिति में सत्यनिष्ठा की शपथ।

सूत्र/रे.स.ब्यू- नई दिल्ली स्थित उत्तर रेलवे के प्रधान कार्यालय, बड़ौदा हाउस में 28 अक्टूबर 2024 को सतर्कता जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ किया गया, जो 3 नवंबर 2024 तक चलेगा। इस अवसर पर उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार वर्मा ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को भ्रष्टाचार-मुक्त कार्य और सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त श्री पी. के. श्रीवास्तव की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की महत्ता को और बढ़ाया। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को पारदर्शिता के महत्व को समझने और अपनाने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सतीश कुमार, प्रधान कार्यकारी निदेशक श्री डी.के सिंह, उत्तर रेलवे की उप महाप्रबंधक डॉ. मोनिका अग्निहोत्री सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। सप्ताह भर चलने वाले इस जागरूकता अभियान में विभिन्न जागरूकता सत्र, कार्यशालाएं और संगोष्ठियां आयोजित की जाएंगी, जो कर्मचारियों को नैतिकता, पारदर्शिता और ईमानदारी के प्रति प्रोत्साहित करेंगी।

वाराणसी से प्रयागराज का सफर होगा आसान, गंगा पर नया रेलवे ब्रिज बनकर तैयार

सेतु निर्माण से महाकुंभ में आने वाले रेल यात्रियों का होल्डिंग एरिया में दबाव होगा कम

सूत्र/रे.स.ब्यू- प्रयागराज में 2025 में आयोजित होने जा रहे महाकुंभ में 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के कुंभ नगरी पहुंचने का का अनुमान है। प्रदेश की योगी सरकार और केंद्र सरकार भी इस आयोजन में आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के आवागमन के लिए दिन रात तैयारियां कर रही हैं। रेल मार्ग से वाराणसी से प्रयागराज आने वाले श्रद्धालुओं के लिए गंगा नदी पर बनकर तैयार हो रहा नया रेलवे सेतु आगंतुकों का सफर आसान करेगा। डायरेक्टर विनय अग्रवाल के मुताबिक 495 करोड़ की लागत से इस पुल का निर्माण हुआ है जो दिसम्बर तक रेल परिवहन के लिए खोल दिया जाएगा।

495 करोड़ के बजट से बने रेल सेतु में दिसंबर से रेल परिवहन होगा शुरू

महाकुंभ 2025 में सबसे अधिक संख्या में श्रद्धालुओं के सड़क परिवहन से कुंभ नगरी पहुंचने का अनुमान है। सड़क परिवहन के बाद सबसे अधिक लोग रेल मार्ग से ही प्रयागराज पहुचेंगे। इस बार लगभग 10 करोड़ लोगों के ट्रेन के जरिये महाकुंभ पहुचने का अनुमान है। रेलवे की तरफ से भी इसे लेकर तैयारियां युद्ध स्तर पर चल रही हैं। एक तरफ जहां रेलवे स्टेशनों और ट्रेन की संख्या बढ़ाई जा रही है तो वहीं दूसरी तरफ रेल मार्ग में सेतुओं का निर्माण कर भीड़ का दबाव कम करने का प्रयास हो रहा है। वाराणसी से प्रयागराज के बीच रेलमार्ग को सुगम बनाने के लिए दारागंज से झूंसी के बीच नए रेल पुल का निर्माण पूरा हो चुका है। बस पुल में रेलवे ट्रैक बिछाने और गिट्टी डालने का कार्य शेष है। रेल विकास निगम लिमिटेड इसका निर्माण कर रहा है। प्रोजेक्ट

2700 मीटर लंबे पुल में डबल ट्रैक से कम होगा दबाव

प्रयागराज रामबाग- वाराणसी रेल मार्ग में गंगा नदी पर अभी तक केवल एक ही रेल पुल था जिसमें सिंगल ट्रैक होने की वजह से झूंसी और राम बाग रेलवे स्टेशन में ट्रेन को देर तक रोकना पड़ता था। लेकिन अब इस 2700 मीटर लंबे नए रेल पुल के बन जाने से रेल यात्रियों को इंतजार नहीं करना होगा क्योंकि यह डबल ट्रैक वाला रेल पुल है। प्रोजेक्ट डायरेक्टर विनय अग्रवाल बताते हैं कि कुंभ के प्रमुख पर्वो के दौरान वाराणसी मार्ग से आने वाले रेल यात्रियों को झूंसी स्टेशन में ही उतारकर कुंभ क्षेत्र ले जाने की योजना पर राज्य सरकार से विचार चल रहा है। इसके अलावा रेलवे स्टेशन में होल्डिंग एरिया का भी निर्माण हो रहा है। लेकिन गैर पर्व के दिनों में ट्रेनों के अप एंड डाउन में इस नए रेल पुल का बड़ा योगदान होगा। इससे स्टेशनों पर यात्रियों का दबाव कम होगा और समय की बचत होगी।

माननीय सांसद रवि किशन शुक्ला जी ने पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधक से गोरखपुर में रेल विकास कार्यों पर की चर्चा।

सूत्र/रे.स.ब्यू- माननीय सांसद श्री रवि किशन शुक्ला जी ने पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधक, सुश्री सौम्या माथुर जी से गोरखपुर संसदीय क्षेत्र में चल रहे रेल विकास कार्यों पर महत्वपूर्ण बैठक की। इस चर्चा का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में रेलवे के बुनियादी ढांचे और यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाना था। बैठक में गोरखपुर रेलवे स्टेशन के आधुनिकीकरण, यात्री सुविधाओं के विस्तार, और रेलवे की क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने पर विशेष ध्यान दिया गया। सांसद ने स्थानीय यात्रियों की समस्याओं को प्रमुखता से रखते हुए नई ट्रेनों के संचालन की मांग की, ताकि गोरखपुर से अन्य प्रमुख शहरों के लिए यात्रा अधिक सुविधाजनक हो सके। उन्होंने रेलवे सेवाओं में सुधार की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि इससे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था और रोजगार के अवसरों में भी वृद्धि होगी। महाप्रबंधक ने आश्वासन दिया कि रेलवे प्रशासन गोरखपुर में यात्री सुविधाओं और कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए कई नई योजनाओं पर काम कर रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि कई विकास कार्यों को तेजी से पूरा करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं, जिससे क्षेत्र की रेल सेवाओं में सुधार होगा।

महाप्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे ने किया टूंडला कानपुर खण्ड का निरीक्षण।

सूत्र/ रे.स.ब्यू- दिनांक 19 अक्टूबर, 2024 को उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक, श्री उपेन्द्र चंद्र जोशी ने प्रयागराज मंडल के टूंडला-कानपुर खंड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने टूंडला से कानपुर तक विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया, जिसमें चलती ट्रेन की पिछली खिड़की से ट्रैक, सिग्नल, ओएचई (ओवरहेड इलेक्ट्रिक लाइन), प्लेटफॉर्म और अन्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने स्टेशनों की सफाई, यात्री सुविधाएं, प्वाइंट और क्रॉसिंग पर ट्रेन की सवारी की गुणवत्ता, ट्रैक ज्योमेट्री इंडेक्स (TGI) में सुधार, ओएचई की स्थिति, समपार फाटकों, सिग्नल की श्यता, और सिग्नल बॉक्स की स्थिति जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर ध्यान दिया। इसके बाद महाप्रबंधक ने कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। मुख्य इंजीनियर/निर्माण, श्री अजय कुमार सिंह ने महाप्रबंधक को कार्य की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया। महाप्रबंधक ने कार्य की स्थलीय जांच करते हुए अधिकारियों को इसे समयबद्ध और गुणवत्ता मानकों के अनुसार पूरा करने के निर्देश दिए। महाप्रबंधक ने टूंडला जंक्शन पर "अमृत भारत स्टेशन योजना" के तहत चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान अपर मंडल रेल प्रबंधक/इंफ्रा, श्री नवीन प्रकाश ने स्टेशन के विकास की योजना के बारे में महाप्रबंधक को जानकारी दी। महाप्रबंधक ने टूंडला स्थित केंद्रीय यातायात नियंत्रण कक्ष का भी निरीक्षण किया, जहां वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक, श्री श्रीकृष्ण शुक्ला ने कक्ष की कार्यप्रणाली से उन्हें अवगत कराया।

दक्षिण पूर्व रेलवे की क्षेत्रीय रेल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2024 की तीसरी बैठक।

सूत्र/रे.स.ब्यू- दक्षिण पूर्व रेलवे की क्षेत्रीय रेल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2024 की तीसरी बैठक श्री अनिल कुमार मिश्रा, महाप्रबंधक दक्षिण पूर्व रेलवे की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में दक्षिण पूर्व रेलवे के सभी प्रधान विभागाध्यक्ष उपस्थित थे। इसके अलावा, मंडलों के अपर मंडल रेल प्रबंधक तथा खड़गपुर कारखाना के उप मुख्य राजभाषा अधिकारी भी वर्चुअल माध्यम से उपस्थित हुए। इस बैठक में दक्षिण पूर्व रेलवे पर हो रहे राजभाषा कार्यों की समीक्षा की गई। महाप्रबंधक महोदय ने राजभाषा के प्रयोग-प्रसार के लिए कुछ महत्वपूर्ण सुझाव दिए, जिस पर अमल किया जाएगा। क्षेत्रीय हिंदी निबंध, टिप्पण एवं वाक् प्रारूपण प्रतियोगिता में सफल 18 प्रतिभागियों को महाप्रबंधक द्वारा पुरस्कृत किया गया। मुख्यालय और मंडलों में हिंदी के कार्यशाला एवं हिंदी टिप्पण प्रारूप लेखन एवं वाक प्रतियोगिता आयोजित करने के लिए महाप्रबंधक महोदय ने सराहना की। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी में अधिक से अधिक कार्य करने का भी निर्देश दिया। हिंदी भाषा प्रशिक्षण के लिए शेष कर्मचारियों को मार्च, 2025 तक प्रकाशित किया जाए। ई-ऑफिस में हिंदी में छोटी-छोटी टिप्पणी देने का भी निर्देश दिया, जिससे राजभाषा का प्रचार-प्रसार हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अपने अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अधिक से अधिक राजभाषा में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें। बैठक में महाप्रबंधक महोदय द्वारा राजभाषा विभाग की बीएनआर हिंदी ई-पत्रिका के (अंक-8) का विमोचन किया गया। बैठक में श्री पवन कुमार, सुरक्षा आयुक्त, रांची द्वारा रांची मंडल रेल सुरक्षा बल विषय पर एक पावर पॉइंट की प्रस्तुति दी गई। बैठक का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री पी. सी. डांग, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की महाकुंभ 2025 और पर्यटन योजनाओं की समीक्षा

सूत्र/ रे.स.ब्यू- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने अपने सरकारी आवास, 5-कालिदास मार्ग, लखनऊ में एक अहम बैठक की। इस दौरान उन्होंने महाकुंभ मेला प्रयागराज-2025 की तैयारियों की प्रगति, अयोध्या विजन डॉक्यूमेंट, और पर्यटन एवं संस्कृति विभाग की विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि महाकुंभ मेला की व्यवस्थाओं को समय पर पूरा करें और श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक और सुरक्षित वातावरण

सुनिश्चित करें। उन्होंने अयोध्या विजन डॉक्यूमेंट पर चर्चा करते हुए इसे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पर्यटकों को आकर्षित करने वाला बनाने पर जोर दिया। पर्यटन और संस्कृति विभाग की परियोजनाओं पर विशेष ध्यान देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक स्थलों को नई ऊंचाइयों पर ले जाना सरकार की प्राथमिकता है।

मोबाइल टावरों पर HD कैमरों से होगी महाकुंभ 2025 की कड़ी निगरानी

सूत्र/ रे.स.ब्यू- प्रयागराज पुलिस महाकुंभ 2025 की तैयारियों में पूरी तरह से जुटी हुई है। पुलिस ने बताया कि कुंभ मेला क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 2700 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, संगम तट, भीड़भाड़ वाले घाटों और प्रमुख मार्गों पर भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा के लिए मोबाइल टावरों पर हाई रिज ल्यूशन वाले HD कैमरों को भी इंस्टॉल किया जाएगा। यह कदम लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए उठाया गया है, जिससे पुलिस को 24/7 निगरानी में सहूलियत होगी और किसी भी आपात स्थिति पर तुरंत प्रतिक्रिया दी जा सकेगी।

महाकुम्भ 2025: ट्रैक सूट में नजर आएंगे ड्राइवर, नाविक, गाइड और ठेला संचालक

सूत्र/ रे.स.ब्यू- महाकुम्भ 2025 में पहली बार ड्राइवर, नाविक, गाइड और ठेला संचालक अलग-अलग रंग के ट्रैक सूट में नजर आएंगे। यह कदम यात्रियों को बेहतर सुविधा और सुगम अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से उठाया गया है। पर्यटन विभाग द्वारा तैयार इन ट्रैक सूट्स पर विभाग का प्रतीक चिन्ह और एक विशिष्ट पहचान संख्या अंकित होगी। प्रत्येक श्रेणी के लिए अलग रंग निर्धारित किया गया है, जिससे यात्रियों को जरूरतमंद सेवाओं के लिए सही व्यक्ति को पहचानने में आसानी होगी। यह पहल न केवल आयोजन की सटीकता और व्यवस्थितता को बढ़ाएगी, बल्कि श्रमिकों के लिए एकरूपता और गर्व का प्रतीक भी बनेगी। महाकुम्भ जैसे विशाल आयोजन में यह नवाचार लाखों श्रद्धालुओं के अनुभव को अधिक सुविधाजनक बनाएगा।

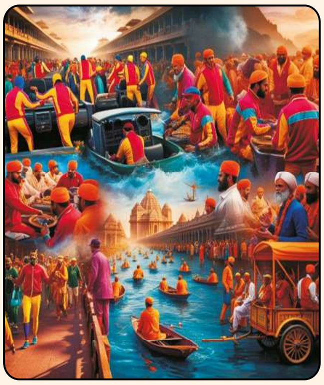

महाकुंभ 2025: श्रद्धालुओं के लिए 100 बेड का हाईटेक अस्पताल तैयार

सूत्र/ रे.स.ब्यू- महाकुंभ 2025 के दौरान श्रद्धालुओं की स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से 100 बेड का हाईटेक अस्पताल तैयार किया जा रहा है। रायबरेली एम्स के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम मेले के दौरान तैनात रहेगी। यह अत्याधुनिक अस्पताल एक्स-रे, एमआरआई, और लैब टेस्ट जैसी सुविधाओं से लैस होगा। मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को त्वरित और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए अलग-अलग विभाग बनाए जा रहे हैं। मेला क्षेत्र में इमरजेंसी सेवा को भी प्राथमिकता दी गई है, जिससे किसी भी अप्रिय स्थिति में तुरंत उपचार मिल सके।

सरकार ने इस पहल को महाकुंभ के दौरान लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। यह अस्पताल महाकुंभ में चिकित्सा सेवाओं का केंद्र बनेगा।

महाकुम्भ 2025: श्रद्धालुओं के लिए भारतीय रेलवे का टोल-फ्री नंबर जारी

सूत्र/ रे.स.ब्यू-प्रयागराज में 2025 में आयोजित होने वाले महाकुम्भ को ध्यान में रखते हुए भारतीय रेलवे ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए एक टोल-फ्री नंबर **18004199139** जारी किया है। इस नंबर के माध्यम से महाकुम्भ से जुड़ी सभी आवश्यक जानकारी जैसे ट्रेन शेड्यूल, टिकट बुकिंग, विशेष ट्रेनों की जानकारी, और स्टेशन पर उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की जा सकेगी। यह सेवा 1 नवंबर 2024 से चालू होगी। रेलवे ने इसे श्रद्धालुओं की यात्रा को सुगम और सुविधाजनक बनाने की दिशा में एक अहम कदम बताया है। टोल-फ्री नंबर पर प्राप्त जानकारी से लाखों श्रद्धालुओं को लाभ होगा, जो महाकुम्भ के दौरान प्रयागराज पहुंचने की योजना बना रहे हैं। भारतीय रेलवे का यह प्रयास महाकुम्भ 2025 को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और यादगार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

प्राचीनता और नूतनता का अनोखा संगम

सूत्र/ रे.स.ब्यू- प्रयागराज महाकुंभ 2025 में इस बार श्रद्धालुओं को प्राचीन परंपराओं के साथ नई आकर्षक गतिविधियों का अनुभव होगा। संगम तट पर ध्यान और योग के विशेष सत्र

आयोजित किए जाएंगे, जिससे श्रद्धालु आध्यात्मिक शांति प्राप्त कर सकेंगे। इसके अलावा, अरैल घाट पर पहली बार वॉटर स्पोर्ट्स और पैरासेलिंग जैसी आधुनिक सुविधाओं का आयोजन किया जाएगा। गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के त्रिवेणी संगम पर आने वाले श्रद्धालु इन रोमांचक गतिविधियों का आनंद लेते हुए आध्यात्मिकता और रोमांच का अनूठा अनुभव प्राप्त करेंगे। महाकुंभ मेला प्राधिकरण ने इन आयोजनों की तैयारी शुरू कर दी है, जो परंपरा और आधुनिकता का समावेश करते हुए श्रद्धालुओं को अद्वितीय अनुभव प्रदान करेगा। यह पहल प्रयागराज महाकुंभ को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान देने में सहायक होगी।

प्रयागराज महाकुंभ: भारद्वाज मुनि का आश्रम बनेगा श्रद्धालुओं का आकर्षण केंद्र

सूत्र/ रे.स.ब्यू- प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुंभ 2025 के दौरान भारद्वाज मुनि का आश्रम श्रद्धालुओं के लिए प्रमुख आकर्षण का केंद्र रहेगा। ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व से समृद्ध यह आश्रम संत भारद्वाज मुनि की तपोभूमि के रूप में प्रसिद्ध है। श्रद्धालुओं को यहां भारतीय संस्कृति और धर्म की गहराइयों का अनुभव करने का अवसर मिलेगा। आश्रम में संत भारद्वाज से जुड़ी पौराणिक कथाओं और उनके योगदान को जानने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आश्रम प्रशासन ने महाकुंभ के मद्देनजर व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने और सुविधाएं बढ़ाने की योजना बनाई है। इससे न केवल धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि महाकुंभ में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक शांति का अनुभव भी होगा। भारद्वाज मुनि का आश्रम प्रयागराज के धार्मिक स्थलों में अपनी विशिष्ट पहचान बनाए हुए है और महाकुंभ 2025 में इसकी लोकप्रियता और बढ़ने की संभावना है।

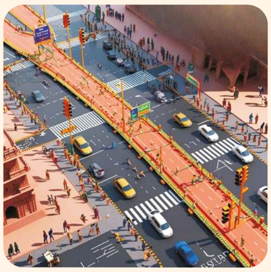

प्रयागराज में 39 ट्रैफिक जंक्शन से यातायात होगा सुचारू

सूत्र/ रे.स.ब्यू- महाकुंभ 2025 के लिए प्रयागराज में लाखों श्रद्धालुओं और पर्यटकों के आगमन को ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार व्यापक तैयारियों में जुटी है। शहर में यातायात को सुगम और सुचारू बनाने के लिए 39 'ट्रैफिक जंक्शन' विकसित किए जा रहे हैं। इस पहल का उद्देश्य सिग्नल-आधारित ट्रैफिक व्यवस्था के माध्यम से भीड़ प्रबंधन को आसान बनाना है। इन जंक्शनों पर आधुनिक तकनीक से लैस सिग्नल लगाए जाएंगे, जिससे वाहन चालकों को अनावश्यक देरी का सामना नहीं करना पड़ेगा। प्रदेश सरकार का मानना है कि इन प्रयासों से न केवल महाकुंभ के दौरान यातायात सुगम होगा, बल्कि शहर में स्थायी ट्रैफिक व्यवस्था भी मजबूत होगी। यह पहल श्रद्धालुओं के अनुभव को यादगार बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। संबंधित विभागों को कार्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने धन्वंतरि जयंती और 9वें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर आयुष मंत्रालय की कई परियोजनाओं का शुभारंभ और उद्घाटन किया।

सूत्र/ रे.स.ब्यू- धन्वंतरि जयंती और 9वें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआई आईए), नई दिल्ली में स्वास्थ्य क्षेत्र की कई परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इन परियोजनाओं की कुल लागत लगभग 12,850 करोड़ रुपए है। इस समारोह में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जे.पी. नड्डा, श्रम और रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया, आयुष सचिव वैद्य राजेश कोटेचा, और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर भारत के पहले अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के दूसरे चरण का उद्घाटन किया, जिसमें 258.73 करोड़ रुपए की लागत से 150 बिस्तरों वाला पंचकर्म अस्पताल, आयुर्वेदिक फार्मेसी, खेल चिकित्सा इकाई, केंद्रीय पुस्तकालय, और एक आईटी और स्टार्ट-अप केंद्र जैसी प्रमुख सुविधाएं शामिल हैं। इसके अलावा, प्रधानमंत्री ने ओडिशा के खोरदा और छत्तीसगढ़ के रायपुर में योग और प्रोंतिक चिकित्सा के लिए दो केंद्रीय अनुसंधान संस्थानों की आधारशिला भी रखी। उन्होंने चार आयुष उत्कृष्टता केंद्र भी लॉन्च किए, जो स्वास्थ्य अनुसंधान और नवाचार में विशिष्ट क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। प्रधानमंत्री ने स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने के लिए ''देश का प्रेंति परीक्षण अभियान'' की शुरुआत की, जिसमें 470,000 स्वयंसेवक शामिल होंगे। उन्होंने आयुर्वेद के ज्ञान को आधुनिक

चिकित्सा के साथ जोड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया और आयुष चिकित्सकों की संख्या बढ़ाने की बात की। प्रधानमंत्री ने पारंपरिक जड़ी-बूटियों जैसे अश्वगंधा और हल्दी की प्रयोगशाला सत्यापन के महत्व को रेखांकित किया, और बताया कि इस क्षेत्र में तेजी से विकास हो रहा है। एआईआईए की निदेशक प्रो. (डॉ.) तनुजा नेसारी ने भी इस अवसर पर प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया और कहा कि यह दिन स्वास्थ्य के देवता भगवान धन्वंतरि के आशीर्वाद का प्रतीक है। एआईआईए ने 9वें आयुर्वेद दिवस के समारोह के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया, जिसमें मैराथन, वेबिनार और स्वास्थ्य पहल शामिल हैं, जिससे आयुर्वेद के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके।

केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) आयुष मंत्रालय श्री प्रतापराव जाधव ने विशेष अभियान 4.0 के अंतर्गत चल रही गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा की।

सूत्र/रे.स.ब्यू- केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) आयुष मंत्रालय, श्री प्रतापराव जाधव ने हाल ही में विशेष अभियान 4.0 के तहत आयुष मंत्रालय की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को इस अभियान के सुचारु कार्यान्वयन के निर्देश दिए और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत के विजन के साथ जुड़ने का आह्वान किया। मंत्री ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य सरकारी परिसरों में स्वच्छता, दक्षता और पारदर्शिता को बढ़ावा देना है, और सभी संस्थानों को इसमें पूरे जोश के साथ शामिल होने के लिए प्रेरित किया। आयुष मंत्रालय ने विशेष अभियान 4.0 के तहत उल्लेखनीय प्रगति की है, जिसमें सफाई और कार्य वातावरण में सुधार पर विशेष ध्यान दिया गया है। 2 अक्टूबर, 2024 से शुरू हुए इस अभियान के अंतर्गत मंत्रालय ने लंबित कार्यों की पहचान कर, दक्षता और पारदर्शिता बढ़ाने की दिशा में कार्य किया। अभियान के मुख्य बिंदु स्वच्छता, राजस्व सृजन, और प्रशासनिक सुधार रहे हैं। विशेष अभियान के अंतर्गत मंत्रालय ने 41 स्थानों पर स्वच्छता गतिविधियों को सफलतापूर्वक अंजाम दिया, जिससे कर्मचारियों के लिए एक संगठित और स्वच्छ कार्य वातावरण सुनिश्चित हुआ। इसके अतिरिक्त, मंत्रालय ने 51,876 रुपये का राजस्व उत्पन्न किया और प्रशासनिक सुधार के तहत 932 पुरानी फाइलों को हटाकर 1,390 वर्ग फुट कार्यालय स्थान को व्यवस्थित किया। इस प्रक्रिया से न केवल भौतिक कार्यस्थल में सुधार हुआ, बल्कि प्रशासनिक कार्य भी सुगम हुए। मंत्रालय ने जवाबदेही बढ़ाने हेतु संसदीय आश्वासनों, 10 सांसद संदर्भों, और 66 सार्वजनिक शिकायतों का समाधान किया। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के 2 संदर्भों का भी निपटारा किया गया। इसके अतिरिक्त, मंत्रालय ने नियमों को सरल बना, परिचालन जटिलताओं को कम करने का प्रयास किया। इन प्रयासों ने पारदर्शिता और प्रशासनिक दक्षता को मजबूती प्रदान की है। यह अभियान आयुष मंत्रालय की सार्वजनिक सेवा में जवाबदेही, स्वच्छता, और एक अधिक उत्पादक कार्यस्थल की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

आयुष मंत्रालय में सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा की शपथ ग्रहण समारोह

सूत्र/रे.स.ब्यू- आयुष मंत्रालय में 28 अक्टूबर को सत्यनिष्ठा सप्ताह के अंतर्गत सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा की शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संयुक्त सचिव एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी श्रीमती कविता गर्ग, अंडर सेक्रेटरी श्री अब्दुल सादिक खान तथा मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने शपथ ली। शपथ के माध्यम से सभी ने ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और पारदर्शिता के सिद्धांतों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने यह संकल्प लिया कि कार्यक्षेत्र में सभी गतिविधियां नैतिकता और जवाबदेही के साथ संपन्न होंगी। यह कार्यक्रम मंत्रालय में नैतिकता और ईमानदारी के मूल्यों को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ। सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा की शपथ ने अधिकारियों को समाज और देश के प्रति अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन उच्चतम नैतिक मानकों के साथ करने की प्रेरणा दी।

संपादकीय

काढ़ाः सर्दियों में स्वास्थ्य का प्रहरी

सूत्र/रे.स.ब्यू- सर्दियों का मौसम अपने साथ ठंडक और सर्दी-जुकाम जैसी समस्याएं लेकर आता है। ऐसे में पारंपरिक आयुर्वेदिक पेय काढ़ा एक सरल और प्रभावी उपाय है, जो न केवल शरीर को गर्म रखता है बल्कि रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत करता है। काढ़ा एक आयुर्वेदिक पेय है, जिसे तुलसी, अदरक, काली मिर्च, दालचीनी, हल्दी और गुड़ जैसी प्रोंतिक सामग्रियों से तैयार किया जाता है। इसमें मौजूद एंटीअ क्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण शरीर को संक्रमण से बचाने में सहायक होते हैं।

सर्दियों में काढ़ा के लाभ

सर्दी-जुकाम से राहतः काढ़ा गले की खराश और बंद नाक को खोलने में मदद करता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ानाः इसमें मौजूद तुलसी और हल्दी प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाते हैं।

पाचन सुधारनाः अदरक और दालचीनी पाचन क्रिया को दुरुस्त रखते हैं।

शरीर को गर्म रखनाः काढ़ा सर्दियों की ठंडक से बचाव में सहायक है।

कैसे बनाएं काढ़ा?

एक पैन में पानी लें और उसमें अदरक, तुलसी के पत्ते, दालचीनी और काली मिर्च डालकर उबालें। इसे धीमी आंच पर 10-15 मिनट तक पकाएं। स्वाद के लिए गुड़ या शहद मिलाएं और गर्मागर्म पिएं।

काढ़ा सर्दियों में न केवल एक प्रोंतिक उपाय है, बल्कि यह आयुर्वेद का वह तोहफा है जो हमें रसायनमुक्त और स्वस्थ जीवन जीने की प्रेरणा देता है। इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करें और सर्दियों का आनंद बिना किसी बीमारी के उठाएं।

समस्त प्रकार के कानूनी मामलों का न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव दि. इलाहाबाद ब्लॉक वर्क्स प्रा. लि. 329/255 चक. जीरो रोड इलाहाबाद से मुद्रित एवं 502 पंचशीला भवन त्रिवेणी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।
आर.एन. आई नं. 51097-90
पोस्ट ए.डी.-8
मो. 9773946044 / 9621922592
फोन नं. 0532-2418040

पाठको से अनुरोध

आपको यह अंक कैसा लगा ? इसमें आप और क्या परिवर्तन चाहते हैं ?
कृपया अपने सुझावों से अवश्य ही अवगत कराएं जिससे हम पत्रिका में सुधार कर सकें। हमें आपके सुझाव का इंतजार रहेगा।

प्रधान संपादक

पाठकों से अनुरोध

विगत वर्षों की भाँति आगामी वर्ष के लिए अपनी रेल समाचार ब्यूरो पत्रिका को सुरक्षित करने के लिए वार्षिक सद्स्यता शुल्क शीघ्र भेजने की कृपा करें, जिससे उक्त पत्रिका आपको नियमित भेजी जा सके।

सहयोग राशिः

१. उच्चतम अधिकारी-5000 रु. मात्र
२. उच्च अधिकारी- 3500 रु. मात्र
३. अधीनस्थ अधिकारी-2500 रु. मात्र
४. रेलकर्मी/अन्य सदस्य-1000 रु. मात्र

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव

पंजिकृत कार्यालय

502 पंचशीला भवन त्रिवेणी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।

कैंप कार्यालय- अनिल केन (रिर्पोटर) कार्यालय 8439 आर्य नगर पहाड़गंज दिल्ली-55

Scan the Code for the Latest Verified
RAILWAYS NEWS ON OUR WEBSITE OR E-PAPER
हमारी वेबसाइट या ई-पेपर पर भारतीय रेलवे के सत्यापित समाचार को पढ़ने के लिए कोड को स्कैन करें
www.railsamacharbureauald.com
SCAN QR

IRCON Completes Ballast Less Track in T-14 Tunnel of Sivok Rangpo Rail Project

Source/RSB- IRCON has successfully completed the Ballast Less Track (BLT) works in Tunnel T-14, marking a significant milestone in the Sivok Rangpo Rail Project. This tunnel, located in the state of Sikkim, is the only tunnel in the region for the project and spans 1977 meters. It is the first tunnel on the project where BLT has been completed.Despite facing continuous disruptions on NH-10 since October 2023, IRCON completed the task in record time. The company overcame numerous challenges, including tough terrain, adverse weather conditions, and frequent landslides, to ensure the timely completion of the work.IRCON remains committed to the successful and swift completion of the Sivok Rangpo Rail Project, which is expected to enhance connectivity in the region. The completion of BLT in T-14 tunnel marks a critical step forward in the realization of this ambitious infrastructure project.

RITES Bags Order for Private Freight Terminals in Ballari

Source/RSB- RITES Limited has secured an order to construct Private Freight Terminals (PFT) in Ballari on a turnkey basis. Originally awarded as a consultancy project, this endeavor has now expanded with RITES taking responsibility for the construction at Dharmapura and Susheel Nagar. The project is poised to significantly enhance freight infrastructure in the region, ensuring better connectivity and efficiency in freight movement. Notably, the project emphasizes environmental sustainability, aligning with India's commitment to reducing carbon emissions and promoting greener logistics. With advanced technologies and eco-friendly practices, RITES aims to minimize the environmental impact of the terminals. The initiative is expected to bolster trade and logistics operations while contributing to a cleaner and more sustainable future for the freight sector.

IRCTC Showcases Luxury Trains at ITB Asia Singapore 2024

Source/RSB The Indian Railway Catering and Tourism Corporation (IRCTC) proudly participated in the prestigious ITB Asia Singapore from October 23-25, 2024. As Asia's leading travel trade show, the event provided an excellent platform for IRCTC to spotlight its world-class luxury trains: the Maharajas' Express, Golden Chariot, and the Buddhist Circuit Tourist Train.These premium trains, celebrated for their opulent offerings and unique itineraries, are key ambassadors of India's cultural and heritage tourism. The Maharajas' Express offers royal journeys across India, while the Golden Chariot covers the scenic landscapes of South India. The Buddhist Circuit Tourist Train connects significant sites in Lord Buddha's life, promoting spiritual tourism.Through its participation, IRCTC emphasized its commitment to fostering inbound tourism and collaborating with international stakeholders to enhance travel experiences. The initiative underscores India's growing prominence in global tourism, attracting luxury travelers and spiritual enthusiasts alike.

Gujarat CM Bhupendra Patel and Ministers Explored Mumbai-Ahmedabad Bullet Train Project at UMI 2024

Gandhinagar: Shri Bhupendra Patel, Chief Minister of Gujarat, visited the NHSRCL stall at the Urban Mobility India (UMI) 2024 exhibition. During his visit, he interacted with officials and explored the architectural marvels and technological advancements of the Mumbai-Ahmedabad Bullet Train project. The visit emphasized the project's significance in enhancing regional connectivity and promoting urban development.Shri Manohar Lal Khattar, Hon'ble Minister of Housing and Urban Affairs, along with Shri Tokhan Sahu, Hon'ble Minister of State, also visited the NHSRCL stall at UMI 2024. The ministers discussed the Mumbai-Ahmedabad High-Speed Rail (MAHSR) project's contributions to improving infrastructure, fostering economic growth, and supporting sustainable urban mobility.

BEML and Power Finance Corporation Forge Partnership to Strengthen Rail Infrastructure and Defence Manufacturing

Source/RSB- BEML Limited and Power Finance Corporation (PFC) Limited have signed a Memorandum of Understanding (MoU) aimed at enhancing India's national capabilities in rail infrastructure and defence manufacturing. This collaboration is aligned with the country's vision of an 'Atma Nirbhar Bharat,' focusing on fostering self-reliance and creating new opportunities for global expansion in key sectors like infrastructure and defence.Key Focus AreasThe MoU will primarily focus on strategic sectors such as rail transportation, metro systems, and defence manufacturing. By combining BEML's advanced technical capabilities with PFC's financial expertise, the partnership is poised to support and drive large-scale projects vital to India's development. These projects will span rail & metro, aerospace & defence, as well as mining and construction. Supporting 'Atma Nirbhar Bharat'The partnership reinforces India's 'Atma Nirbhar Bharat' initiative, emphasizing the growth of domestic defence manufacturing. BEML's leadership in rail and defence production, combined with PFC's strong financial backing, will accelerate key projects, especially in national security, and contribute to India's self-reliant future.

KEC International Secures New Orders Worth Rs. 1,142 Crores

Source/RSB-KEC International Ltd., a leading global infrastructure EPC company and a part of the RPG Group, has won new orders totaling Rs. 1,142 crores across its diverse business segments. In the Transmission & Distribution (T&D) sector, KEC International has secured significant orders for projects in the Middle East and Americas, including a 380 kV transmission line in Saudi Arabia and the supply of towers, hardware, and poles for projects in the Americas. In the Railways segment, the company has been awarded a contract for the construction of bridges and related works for a railway line in India's conventional segment, further strengthening its presence in the Indian infrastructure space. Additionally, the Cables division has secured orders for the supply of various types of cables, both domestically and internationally, continuing its stronghold in the global cables market.These new orders reinforce KEC International's position as a prominent player in the infrastructure industry, driving growth and enhancing its order book across multiple sectors.

"महाकुंभ का संदेश और भारतीय रेल का प्रयास एक ही हैं
हर व्यक्ति को जोड़ना और उसकी यात्रा को सरल बनाना।"

MoSR V. Somanna Reviews Development Work at Gubbi Railway Station

Source/RSB- Minister of State for Railways, Shri V. Somanna, recently reviewed the ongoing development work at Gubbi Railway Station alongside railway officials. During his visit, he assessed the progress of various construction activities aimed at enhancing passenger facilities and improving station infrastructure. Shri Somanna emphasized the importance of completing all tasks on schedule and maintaining high quality standards to ensure passengers benefit from upgraded amenities. The improvements at Gubbi Railway Station include platform extensions, enhanced waiting areas, parking facilities, and other structural upgrades to provide a more convenient experience for travelers. These developments are expected not only to ease travel but also to drive regional growth. Railway authorities have stated that the projects are on track for timely completion, contributing to the modernization of the station and elevating passenger satisfaction.

Railway Board Member Inspected Site for New Ganga River Bridge in Varanasi

Source/RSB- On October 23, following the Central Cabinet's recent approval for the construction of a new, modern bridge over the Ganga River in Varanasi, Railway Board Member Naveen Gulati inspected the construction site to assess the progress. The new bridge was expected to play a crucial role in improving the city's infrastructure, providing enhanced connectivity and reducing traffic congestion for both residents and visitors. During his visit, Gulati highlighted that the bridge would greatly benefit the public by facilitating smoother and more efficient transportation across the region. The construction of this bridge marked a significant step towards improving the flow of traffic in the historic city of Varanasi, known for its cultural and religious significance. The project, once completed, was set to not only ease transportation but also serve as a vital link, contributing to the development of the region and improving the quality of life for commuters.

CMD Shri Sanjay Swarup Addresses National Conclave on Supply Chain Management

Source/RSB- CMD Sh. Sanjay Swarup of Container Corporation of India (CONCOR) was the Chief Guest at the National Conclave on Supply Chain Management: Issues & Challenges, organized by the Federation of Gujarat Industries (FGI) in Vadodara. The event focused on the theme "Navigating Supply Chain Disruption: Building Robust Resilience," bringing together industry leaders to address key supply chain issues. In the address, he highlighted CONCOR's commitment to improving supply chain efficiency through advanced facilities and outlined the key initiatives like faster transit times, cost reduction strategies, and the innovative double-stack movement. He also emphasized the importance of the state-of-the-art terminal at Varnama, which is expected to significantly enhance trade in Vadodara. The CMD provided insights on navigating the future of logistics amid geopolitical challenges, stressing the need for a customer-centric approach. His remarks reinforced CONCOR's role in building a resilient supply chain ecosystem capable of adapting to disruptions. The conclave offered a valuable platform for discussing strategies to strengthen supply chains and promote sustainable growth in the logistics sector.

भारतीय रेल द्वारा श्रद्धालुओं/यात्रियों की सुविधा के दृष्टिगत महाकुंभ-2025 के दौरान विभिन्न रेलगाड़ियों का दिनांक 10.01.2025 से 28.02.2025 तक निम्नलिखित स्टेशनों पर 02 मिनट का अस्थाई ठहराव प्रदान करने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् हैः-

गाड़ी सं.	रेलगाड़ी का नाम	स्टेशन से	स्टेशन तक	स्टेशन से चलने का दिन	अस्थाई ठहराव के स्टेशन एवं समय	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
12393	सम्पूर्ण क्रांति एक्स.	राजेन्द्र नगर	नई दिल्ली	प्रतिदिन	प्रयागराज-00:20-00:22	09.01.25 से 27.02.25
12394	सम्पूर्ण क्रांति एक्स.	नई दिल्ली	राजेन्द्र नगर	प्रतिदिन	प्रयागराज-00:38-00:40	09.01.25 से 27.02.25
12367	विक्रमशिला एक्स.	भागलपुर	आनंद वि.ट.	प्रतिदिन	प्रयागराज-22:48-22:50	10.01.25 से 28.02.25
12368	विक्रमशिला एक्स.	आनंद वि.ट.	भागलपुर	प्रतिदिन	प्रयागराज-20:43-20:45	10.01.25 से 28.02.25
11055	गोदान एक्स.	लोक.ति.ट.	गोरखपुर	सोम,बुध,शुक्र,रवि	नैनी-07:33-07:35	10.01.25 से 26.02.25
11056	गोदान एक्स.	गोरखपुर	लोक.ति.ट.	मंगल,बुध,शुक्र,रवि	नैनी-17:00-17:02	10.01.25 से 28.02.25
11059	छपरा एक्स.	लोक.ति.ट.	छपरा	मंगल,गुरू,शनि	नैनी-07:33-07:35	09.01.25 से 27.02.25
11060	छपरा एक्स.	छपरा	लोक.ति.ट.	सोम,गुरू,शनि	नैनी-17:00-17:02	09.01.25 से 27.02.25
18205	दुर्ग नौतनवाँ एक्स.	दुर्ग	नौतनवाँ	गुरू	नैनी-10:03-10:05	09.01.25 से 27.02.25
18206	नौतनवाँ दुर्ग एक्स.	नौतनवाँ	दुर्ग	शनि	नैनी-20:43-20:45	11.01.25 से 22.02.25
22103	अयोध्या कैंट एक्स.	लोक.ति.ट.	अयोध्या कैंट	सोम	नैनी-10:50-10:52	12.01.25 से 23.02.25
22104	लोकमान्य ति.एक्स.	अयोध्या कैंट	लोक.ति.ट.	मंगल	नैनी-05:43-05:45	14.01.25 से 25.02.25
12293	दुरंतो एक्स.	लोक.ति.ट.	प्रयागराज	सोम,शुक्र	नैनी-12:00-12:02	10.01.25 से 24.02.25
12294	दुरंतो एक्स.	प्रयागराज	लोक.ति.ट.	मंगल,शनि	नैनी-18:25-18:27	11.01.25 से 25.02.25
22683	यशवंतपुर लखनऊ एक्स.	यशवंतपुर	लखनऊ	सोम	नैनी-12:00-12:02	13.01.25 से 24.02.25
22684	लखनऊ यशवंतपुर एक्स.	लखनऊ	यशवंतपुर	गुरू	नैनी-01:08-01:10	09.01.25 से 27.02.25
11071	कामायनी एक्स.	लोक.ति.ट.	बलिया	प्रतिदिन	नैनी-15:18-15:20	09.01.25 से 27.02.25
11072	कामायनी एक्स.	बलिया	लोक.ति.ट.	प्रतिदिन	नैनी-19:48-19:50	10.01.25 से 28.02.25
15267	अंत्योदय एक्स.	रक्सौल	लोक.ति.ट.	शनि	नैनी-07:33-07:35	11.01.25 से 22.02.25
15268	अंत्योदय एक्स.	लोक.ति.ट.	रक्सौल	सोम	नैनी-15:43-15:45	13.01.25 से 24.02.25
11037	पुणे गोरखपुर एक्स.	पुणे	गोरखपुर	गुरू	नैनी-15:43-15:45	09.01.25 से 27.02.25
11038	गोरखपुर पुणे एक्स.	गोरखपुर	पुणे	शनि	नैनी-00:50-00:52	11.01.25 से 22.02.25
11033	पुणे दरभंगा एक्स.	पुणे	दरभंगा	बुध	नैनी-15:43-15:45	05.01.25 से 26.02.25
11034	दरभंगा एक्स.	दरभंगा	पुणे	शुक्र	नैनी-07:33-07:35	10.01.25 से 21.02.25
22967	अहमदाबाद प्रयागराज एक्स.	अहमदाबाद	प्रयागराज	गुरू	नैनी-16:08-16:10	09.01.25 से 27.02.25
22968	प्रयागराज अहमदाबाद एक्स.	प्रयागराज	अहमदाबाद	शुक्र	नैनी-19:08-19:10	10.01.25 से 28.02.25
15559	अंत्योदय एक्स.	दरभंगा	अहमदाबाद	बुध	नैनी-07:33-07:35	15.01.25 से 26.02.25
15560	अंत्योदय एक्स.	अहमदाबाद	दरभंगा	शुक्र	नैनी-19:50-19:52	10.01.25 से 21.02.25
12427	रीवा आनंद वि.एक्स.	रीवा	आनंद वि.ट.	प्रतिदिन	नैनी-20:40-20:42	10.01.25 से 28.02.25
12428	आनंद वि.रीवा एक्स.	आनंद वि.ट.	रीवा	प्रतिदिन	नैनी-06:33-06:35	09.01.25 से 27.02.25
22613	श्रद्धासेतु एक्स.	रामेश्वरम	अयोध्या कैंट	रवि	नैनी-21:38-21:40	12.01.25 से 23.02.25
22614	श्रद्धासेतु एक्स.	अयोध्या कैंट	रामेश्वरम	बुध	नैनी-05:43-05:45	15.01.25 से 26.02.25
12669	एमएएस-छपरा एक्स.	एमएएस	छपरा	सोम, शनि	नैनी-01:03-01:05	11.01.25 से 24.02.25
12670	छपरा-एमएएस एक्स.	छपरा	एमएएस	सोम, बुध	नैनी-04:48-04:50	13.01.25 से 26.02.25
12165	लोक.ति.ट.-गोरखपुर सु.एक्स.	लोक.ति.ट.	गोरखपुर	सोम,गुरू,शुक्र	नैनी-03:23-03:25	09.01.25 से 27.02.25
12166	गोरखपुर-लोक.ति.ट. सु.एक्स.	गोरखपुर	लोक.ति.ट.	मंगल,शुक्र,शनि	नैनी-23:48-23:50	10.01.25 से 28.02.25
22183	साकेत एक्स.	लोक.ति.ट.	अयोध्या कैंट	बुध,शनि	नैनी-03:23-03:25	11.01.25 से 26.02.25
22184	साकेत एक्स.	अयोध्या कैंट	लोक.ति.ट.	गुरू,रवि	नैनी-18:58-19:00	12.01.25 से 27.02.25
12539	यशवंतपुर लखनऊ एक्स.	यशवंतपुर	लखनऊ	बुध	नैनी-04:13-04:15	08.01.25 से 26.02.25
12540	लखनऊ यशवंतपुर एक्स.	लखनऊ	यशवंतपुर	शुक्र	नैनी-01:58-02:00	10.01.25 से 21.02.25
15181	मऊ-लोक.ति.ट. साप्त.एक्स.	मऊ	लोक.ति.ट.	शनि	नैनी-05:43-05:45	11.01.25 से 22.02.25
15182	लोक.ति.ट.-मऊ साप्त.एक्स.	लोक.ति.ट.	मऊ	सोम	नैनी-08:05-08:07	13.01.25 से 24.02.25

नोट : यदि नई समय सारणी दिनांक 01.01.2025 से लागू होती है, तो स्टेशनों पर अस्थायी ठहराव के लिए दिए गए समय में परिवर्तन हो सकता है।

ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App. या वेबसाइट www.railmadad.Indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

महाकुम्भ 2025 रेलवे टोल फ्री नं0 (01 नवम्बर 2024 से प्रभावी) 1800 4199 139

उत्तर मध्य रेलवे

@ CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1848/24(AS)